अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ (जीव-अजीव)–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 10

जीव–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव कर्मों का कर्त्ता कैसे है?

(ख) रंगण से क्या तात्पर्य है?

(ग) विज्ञ से क्या अभिप्राय है?

(घ) जीव को सत्व क्यों कहा गया है?

(ड़) जीव को जगत क्यों कहा गया है?

अजीव–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) काल का माप किस आधार से किया गया है?

(छ) आकाश, धर्म, अधर्म और पुद्गल के प्रदेशों में क्या अन्तर है?

(ज) उद्योत किसे कहते हैं?

(झ) समय क्षेत्र किसे कहते हैं?

प्र. 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

जीव–

(क) जीव सशरीरी किस अपेक्षा से है?

अथवा

सावद्य व निरवद्य कार्य कौन-कौन से हैं? इन्हें भाव जीव क्यों कहा है?

अजीव–

(ख) काल द्रव्य शाश्वत-अशाश्वत कैसे है?

अथवा

आचार्य भिक्षु ने 'नव पदार्थ' पुस्तक में भाव पुद्गल के कौन-कौन से उदाहरण दिये हैं?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

जीव–

(क) नव पदार्थ किसे कहा है? नव पदार्थ का ज्ञान क्यों करना चाहिए व प्रस्तुत पुस्तक में भगवान महावीर व गणधर गौतम का स्मरण सबसे पहले क्यों किया है?

अथवा

द्रव्य जीव के स्वरूप का विस्तृत वर्णन करें।

अजीव–

(ख) पुद्गल का क्या स्वरूप है? पुद्गल के कितने भेद हैं?

अथवा

परमाणु की विशेषताओं का वर्णन करें।

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें– 7

(क) जीव के लक्षण क्या हैं?

(ख) समनस्क और अमनस्क जीवों के संवेदन में कोई फर्क पड़ता है क्या?

(ग) क्या जीव और आत्मा एक है?

(घ) क्या जीव और अजीव का भी कोई सम्बन्ध है?

(ड़) संहनन और संस्थान पुद्गल के होते हैं या जीव के होते हैं?

(च) असंयमी को देने में पुण्य क्यों नहीं?

(छ) क्या पाप का स्वतंत्र बन्ध माना जा सकता है?

(ज) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?

(झ) पांचवे गुणस्थान में संवर तो होता है, फिर व्रत संवर क्यों नहीं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) मिथ्यात्व के पांच प्रकारों को समझाएं।

(ख) वर्गणा के कितने प्रकार हैं?

(ग) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे ही बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) जीव के सबसे अधिक भेद कितने आये हैं?

(ख) संस्थान किसे कहते हैं और उसके कितने प्रकार हैं?

(ग) पुण्य और पाप की कर्म वर्गणा अलग-अलग है या एक ही?

(घ) मिथ्यात्व आश्रव कितने गुणस्थान तक है और उसकी जनक प्रकृतियां कौन-कौन सी है?

अमृत कलश भाग-3 (छठा, सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) करण और योग से क्या तात्पर्य है?

(ख) णमोक्कार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए।

(ग) वीतराग की शरण लेने का क्या तात्पर्य है?

(घ) 'णमो आयरियाणं' का ध्यान किस केन्द्र पर किस रंग के साथ किया जाता है?

(ड़) साधु के कितने भव माने गए हैं?

(च) मिथ्यात्वी के सकाम निर्जरा होती है अथवा अकाम?

(छ) भवी जीव मुक्त हो जाएंगे तो क्या संसार एक दिन भवी जीवों से शून्य हो जाएगा?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें– 10

(क) सम्यक्त्वी मर कर कहां जाता है?

(ख) अभवी जीव कभी मुक्त होंगे ही नहीं–क्या इस बात को भी किसी उदाहरण से समझाया जा सकता है?

(ग) प्रतिक्रमण का समय एक मुहूर्त्त ही क्यों?

(घ) राजा प्रदेशी कौन था?

(ड़) प्रदक्षिणा कैसे की जाती है?

(च) सिद्धों के कितने गुण होते हैं?

(छ) क्या रंगों का शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें– 15

(क) तीर्थंकर केवल सिद्धों को ही नमस्कार क्यों करते हैं? तीर्थंकर और सामान्य केवली में क्या अन्तर है?

(ख) माला के मनके 108 होते हैं। इसका क्या आधार है?

(ग) श्रमण की उपासना से क्या-क्या लाभ होते हैं?

(घ) प्रतिक्रमण शब्द का क्या अर्थ है? प्रतिक्रमण से क्या लाभ होता है?

(ड़) दस प्रत्याख्यान के बारे में लिखें।